वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

(पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय,भारत सरकार की एक स्वायत निकाय)

रांची – गुमला राष्ट्रीय राजमार्ग – 23, रांची (झारखण्ड) – 835303

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत

मांग के अनुरुप औषधीय वनस्पतियों की उपलब्धता से ग्रामीणों में जागरुकता विषय पर संगोष्ठी

दिनांक : 09.12.2021

स्थल : वन अनुसंधान केंद्र, मांडर

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के आदेश एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के निर्देश पर वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 09.12.2021 को "मांग के अनुरुप औषधीय वनस्पतियों की उपलब्धता से ग्रामीणों में जागरुकता" विषय पर वन अनुसंधान केंद्र, मांडर में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमे मांडर प्रखंड के विभिन्न गावों के 52 किसानों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुवात करते हुए श्री सूरज कुमार ने आये हुए प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए श्री अंशुमन दास, वैज्ञानिक को अपनी प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए संस्थान के वैज्ञानिक श्री अंशुमन दास ने मांग के अनुरुप औषधीय वनस्पतियों के विषय में विस्तार से बताया। तुलसी, कालमेघ, आंवला, गिलोय अश्वगंधा, सर्पगंधा, स्टीविया, चिरायता, एलोवेरा आदि 20–25 औषधीय वनस्पतियों की उपयोगिता बताते हुए बाजार में इसके मांग के विषय में विस्तार से बताया एवं जंगलों के अलावा इसकी खेती कर आयवृद्धि के तरीकों को समझाया। उन्होने बताया कि e-Charak औषधीय पौधों से संबंधित एक app है जिसमे औषधीय पौधों एवं जड़ी–बुटी की खरीद एवं बिक्री की जा

सकती है। उन्होनें बाजार में व्यापक मांग को देखते हुए कृषि के अलावा अतिरिक्त भूमि का उपयोग औषधीय खेती करने के लिए प्रेरित किया। उन्होने बताया कि

किस तरह से मांग के अनुरुप औषधीय पौधों का उत्पादन कर उचित बाजार के माध्यम से अतिरिक्त आय प्राप्त किया जा सकता है। Central Institute of Medicinal and Aromatic Plants (CIMAP), Lucknow के बारे में बताते हुए कहा कि इस संस्थान से औषधीय पौधों के बीज एवं पौध हेतु संपर्क किया जा सकता है। वन अनुसंधान केंद्र, मांडर के श्री राकेश कुमार सिन्हा एवं श्री पवन कुमार सिन्हा ने आसपास मिलने वाले औषधीय वनस्पतियों की पहचान बताते हुए उसके संरक्षण, भंडारण एवं विपणन के विषय में जानकारी दी। तत्पश्चात श्री पवन कुमार सिन्हा ने पपीता, नीम, सहजन आदि औषधीय पौधों के गुण बताते हुए कैसे इनका उपयोग कर विभिन्न औषधीय पदार्थ बनाकर लाभ कमाया जा सकता है, इस विषय में चर्चा की । श्री सूरज कुमार, वरिष्ठ तकनीकी सहायक ने औषधीय पौधों की महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए इसकी खेती के लाभ एवं जीविकोपार्जन में इसके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होने इस बात पर बल दिया कि ग्रामीण अपने ग्राम में एक सयुक्त समूह का निर्माण कर औषधीय पौध की व्यावसायिक बिक्री का प्रयास करे जिससे की अधिक मात्रा में उपलब्ध सामग्री हेतु अच्छी आमदनी प्राप्त हो सके। उन्होने औषधीय क्षेत्र में संलग्न कुछ व्यावसायिक संगठनों जैसे Dabur India Limited, Delhi, Panchal Traders, Lucknow, Jenabro Herbal Private Limited, Hyderabad, Baidyanath Ayurved Bhawan Private Limited, Patna आदि के बारे में बताया कि औषधीय पौध की व्यावसायिक बिक्री हेतु इनसे भी संपर्क किया जा सकता है। ग्रामीणों ने इस कार्यक्रम के आयोजन हेतु संस्थान के निदेशक को धन्यवाद देते हुए इसको लाभदायक बताया तथा संस्थान के इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर ग्रामीणों में कुछ औषधीय पौधों के बीजों का वितरण भी किया गया। संस्थान के दल द्वारा उपस्थित किसानों एवं ग्रामीणों के प्रश्नों का सफलतापूर्वक उत्तर दिया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री पवन कुमार सिन्हा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री राकेश कुमार सिन्हा ने दिया एवं कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की। कार्यक्रम को सफल

बनाने में श्री अंशुमन दास, श्री राकेश कुमार सिन्हा, श्री सूरज कुमार एवं श्री पवन कुमार सिन्हा का योगदान सराहनीय रहा।

Ministry of Environment, Forest
& Climate Change
आज़ादी का
अमृत महोत्सव
वन उत्पादकता संस्थान, रांची
INSTITUTE OF FOREST PRODUCTIVITY
आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत संगोष्ठी
मांग के अनुरुप औषधीय वनस्पतियों की
उपलब्धता से ग्रामीणों में जागरुकता
दिनांक : 09.12.2021
स्थल: वन अनुसंधान केंद्र, मांडर
वन उत्पादकता संस्थान, रांची
(भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून)
(वन,पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय)

आयोजित संगोष्ठी की झलकियां

आयोजित संगोष्ठी की झलकियां

आयोजित संगोष्ठी की झलकियां

ग्रामीणों को दी औषधीय वनस्पति की उपयोगिता की जानकारी

नगड़ी में किसानों को वनोत्पादों की जानकारी देते अधिकारी।

खबर मन्त्र संवाददाता

पिस्कानगड़ी। वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुवार को श्मांग के अनुरूप औषधीय वनस्पतियों की उपलब्धता से ग्रामीणों में जागरुकता विषय पर संगोष्ठी का आयोजन वन अनुसंधान केंद्र द्वारा किया गया। इसमें आसपास के क्षेत्रों से किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए संस्थान के वैज्ञानिक अंशुमन दास ने मांग के अनुरुप औषधीय वनस्पतियों के विषय में बताया। तुलसी, कालमेघ, आंवला, गिलोय, अश्वगंधा, सर्पगंधा, स्टीविया, चिरायता, एलोवेरा आदि 20-25 औषधीय वनस्पति की उपयोगिता बताते हुए बाजार में इसके मांग के विषय में विस्तार से बताया एवं जंगलों के अलावा इसकी खेती कर आयवृद्धि के तरीकों को समझाया। उन्होंने बताया कि औषधीय पौधों से संबंधित एक मंच है, जिसमें औषधीय पौधों एवं जड़ी.बुटी के खरीद एवं बिक्री की जा सकती है। उन्होंने बाजार में व्यापक मांग को देखते हुए कृषि के अलावा अतिरिक्त भूमि का उपयोग औषधीय खेती के लिए प्रेरित किया। वन अनुसंधान केंद्र मांडर के राकेश कुमार सिन्हा एवं पवन कुमार सिन्हा ने आसपास मिलने वाले औषधीय वनस्पति की पहचान बताते हुए उसके संरक्षण, भंडारण एवं विपनन के विषय में जानकारी दी। सूरज कुमार, वरिष्ठ तकनीकी सहायक ने व्यवस्था सम्हालते हुए औषधीय पौधों की खेती के लाभ एवं जीविकोपार्जन में इसके महत्व पर प्रकाश डाला। ग्रामीणों ने इस कार्यक्रम को लाभदायक बताते हुए वन उत्पादकता संस्थान की सराहना की। इस अवसर पर ग्रामीणों में कुछ औषधीय पौधों के बीजों का वितरण भी किया गया।

खबर मंत्र, 10.12.2021

औषधीय वनस्पतियों की उपयोगिता पर संगोष्ठी

मांडर : वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुवार को मांग के अनुरुप औषधीय वनस्पतियों की उपलब्धता से ग्रामीणों में जागरुकता विषय पर संगोष्ठी का आयोजन वन अनुसंधान केंद्र, मांडर में किया जिसमे आसपास के क्षेत्रों के 52 किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए संस्थान के वैज्ञानिक अंशुमन दास ने मांग के अनुरुप औषधीय वनस्पतियों के विषय में बताया। तुलसी, कालमेघ, आंवला, गिलोय अश्वगंधा, सर्पगंधा, स्टीविया, चिरायता, एलोवेरा आदि 20-25 औषधीय वनस्पति की उपयोगिता बताते हुए बाजार में इसके मांग के विषय में विस्तार से बताया एवं जंगलों के अलावा इसकी खेती कर आयवृद्धि के तरीकों को समझाया। उन्होने बताया कि ई चरक औषधीय पौधों से संबंधित एक एप है जिसमे औषधीय पौधों एवं जड़ी-बुटी के खरीद एवं बिक्री की जा सकती है। उन्होनें बाजार में व्यापक मांग को देखते हुए कृषि के अलावा अतिरिक्त भूमि का उपयोग औषधीय खेती के लिए प्रेरित किया। वन अनुसंधान केंद्र के प्रभारी मांडर राकेश कुमार सिन्हा एवं तकनीकी सहायक पवन कुमार सिन्हा ने आसपास मिलने वाले औषधीय वनस्पति की पहचान बताते हुए उसके संरक्षण, भंडारण एवं विपनन के विषय में जानकारी दी। सूरज कुमार, वरिष्ठ तकनीकी सहायक ने व्यवस्था सम्हालते हुए औषधीय पौधों की खेती के लाभ एवं जीविकोपार्जन में इसके महत्व पर प्रकाश डाला। ग्रामीणों ने इस कार्यक्रम को लाभदायक बताते हुए वन उत्पादकता संस्थान की सराहना की। इस अवसर पर ग्रामीणों में कुछ औषधीय पौधों के बीजों का वितरण भी किया गया।

सनमार्ग, रांची, 10.12.2021

वन उत्पादकता संस्थान दारा अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत औषधि वनस्पतियों के द्वारा ग्रमीणों में जागरूकता

मांडर (बिभा संवाददाता)। वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 09.12.2021 को ÷मांग के अनुरुप औषधीय वनस्पतियों की उपलब्धता से ग्रामीणों में जागरुकता÷ विषय पर संगोष्ठी का आयोजन वन अनुसंधान केंद्र, मांडर में किया जिसमे आसपास के क्षेत्रों के 52 किसानों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए संस्थान के वैज्ञानिक श्री अंशुमन दास ने मांग के अनुरुप औषधीय वनस्पतियों के विषय में बताया। तुलसी, कालमेघ, आंवला, गिलोय अश्वगंधा, सर्पगंधाअ, स्टीविया, चिरायता, एलोवेरा आदि 20-25 औषधीय वनस्पति की उपयोगिता बताते हुए बाजार में इसके मांग के विषय में विस्तार से बताया एवं जंगलों के अलावा इसकी खेती कर आयवृद्धि के तरीकों को समझाया। उन्होंने बताया कि द्व-ष्द्धइुहइुद्म औषधीय पौधों से संबंधित एक इुश्च है जिसमे औषधीय पौधों एवं जड़ी-बुटी के खरीद एवं बिक्री की जा सकती है। उन्होंनें बाजार में व्यापक मांग को देखते हुए कृषि के अलावा अतिरिक्त भूमि का उपयोग औषधीय खेती के लिए प्रेरित किया। वन अनुसंधान केंद्र, मांडर के श्री राकेश कुमार सिन्हा एवं श्री पवन कुमार सिन्हा ने आसपास मिलने वाले औषधीय वनस्पति की पहचान बताते हुए उसके संरक्षण, भंडारण एवं विपनन के विषय में जानकारी दी। श्री सूरज कुमार, वरिष्ठ तकनीकी सहायक ने व्यवस्था सम्हालते हुए औषधीय पौधों की खेती के लाभ एवं जीविकोपार्जन में इसके महत्व पर प्रकाश डाला। ग्रामीणों ने इस कार्यक्रम को लाभदायक बताते हुए वन उत्पादकता संस्थान की सराहना की। इस अवसर पर ग्रामीणों में कुछ औषधीय पौधों के बीजों का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री पवन कुमार सिन्हा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री राकेश कुमार सिन्हा ने दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री अंशुमन दास, श्री एस.ए.वैद्य, श्री राकेश कुमार सिन्हा, श्री सूरज कुमार एवं श्री पवन कुमार सिन्हा का योगदान सराहनीय रहा।

विहान भारत, 10.12.2021

वन उत्पादकता संस्थान में संगोष्ठी व बीज वितरण

मांडर. वन उत्पादकता संस्थान मांडर में गुरुवार को आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत मांग के अनुरूप औषधीय वनस्पतियों की उपलब्धता से ग्रामीणों में जागरूकता विषय को लेकर एकदिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गयी. संगोष्ठी में संस्थान के वैज्ञानिक अंशुमन दास ने ग्रामीणों को मांग के अनुरूप औषधीय वनस्पतियों तुलसी, कालमेघ, आंवला, गिलोय, अश्वगंधा, सर्पगंधा, स्टीविया, चिरायता, एलोवेरा आदि के महत्व, उपयोगिता, बाजार में इसकी मांग एवं जंगलों के अलावा इसकी खेती कर आयवृद्धि के तरीकों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करायी. उन्होंने बाजार में व्यापक मांग को देखते हुए अतिरिक्त भूमि का उपयोग कर औषधीय खेती के लिए ग्रामीणों को प्रेरित किया और बताया कि इ-चरक' ऐप से औषधीय पौधों एवं जड़ी-बूटी की खरीद एवं बिक्री की जा सकती है. राकेश कुमार सिन्हा, पवन कुमार सिन्हा ने कार्यक्रम में आसपास मिलनेवाले औषधीय वनस्पति की पहचान बताते हुए उसके संरक्षण, भंडारण एवं विपनन पर प्रकाश डाला. उन्होंने ग्रामीणों के बीच औषधीय पौधों के बीज का वितरण किया. मौके पर एसए वैद्यश्री, सूरज कुमार उपस्थित थे.

प्रभात खबर, रांची, 10.12.2021